RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 263
दि. 24.01.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी के 75 जिलों में अचानक हुआ ब्लैकआउट; बजने लगे सायरन और गिरने लगे बम, मची अफरा-तफरी

उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में आपात स्थिति से निपटने के लिए किया गया मॉक ड्रिल

(जीएनएस)।

लखनऊः दुश्मन देश का जहाज हमले की नीयत से आसमान में उड़ रहा था. इस बात की आशंका थी कि बमों से हमला होगा. तत्काल सायरन बजाए गए और ब्लैकआउट कर दिया गया. नागरिक सुरक्षा समिति के सदस्यों ने और आपदा प्रबंधन टीम ने पहले तो नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा और जो नहीं पहुंच सके वह जमीन पर लेट गए. हमला हुआ मगर कोई खास नुकसान नहीं हुआ. घायलों को सुरक्षित एंबुलेंस के जरिए अस्पतालों में पहुंचाया गया और जहां भी आग लगी थी उसे पर काबू पाया गया. यह किसी वास्तविक हमले की कहानी नहीं है.

सीएम योगी की मौजूदगी में हुई मॉकड्रिलःलखनऊ पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नागरिक सुरक्षा समिति की ओर से यह कार्यवाही की गई. प्रदेश के सभी जिलों में शाम 6:00 के करीब हुई इस मॉक ड्रिल के जरिए युद्ध के दौरान नागरिकों को किस तरह से बचाना है, इसका प्रदर्शन किया गया. हर जिले के मुख्यालयों पर 6 बजते ही अचानक ब्लैक आउट हो गया और सायरन बजने लगे.

आपातकालीन परिस्थिति का लाइव प्रदर्शनः पुलिस लाइन लखनऊ में नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल के प्रथम चरण में सामान्य जनजीवन का दृश्य प्रदर्शित किया गया. इसी दौरान कंट्रोल रूम से रेड अलर्ट की सूचना प्राप्त होते ही सायरन बजाया गया तथा ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न की गई. फाइटर जेट द्वारा बमबारी एवं विस्फोट की आवाजों के माध्यम से आपातकालीन परिस्थिति का सजीव प्रदर्शन किया गया.

दो मिनट बाद ऑल क्लियर सायरन बजाःसायरन बजते ही नागरिकों द्वारा बंकर एवं खुले मैदान में निर्धारित सुरक्षा उपाय अपनाते हुए स्वयं को सुरक्षित करने का अभ्यास कराया गया. इस दौरान पेट्रोल, लकड़ी एवं गैस सिलेंडर से उत्पन्न आग की घटनाओं का भी प्रदर्शन किया गया. रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडर में आग, चलती कार में विस्फोट तथा मैदान में घायल नागरिकों की स्थिति दर्शाई गई. लगभग दो मिनट बाद ऑल क्लियर सायरन बजाया गया. आईसीओ द्वारा कंट्रोल रूम को हताहतों की संख्या एवं स्थिति की जानकारी दी गई तथा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड एवं एम्बुलेंस को तत्काल सूचना दी गई. स्वयंसेवकों द्वारा घायलों की सहायता एवं सुरक्षित नागरिकों को स्थानांतरित करने का कार्य किया गया.

ल्ल १३ ै

फरुर्खाबाद में आग बुझाते फायर कर्मी. (एळ्श ईं१३)

आग बुझाने का किया गया अभ्यासःमॉक ड्रिल के दौरान वार्डनों द्वारा विभिन्न प्रकार की आग को बुझाने की विधियों का प्रदर्शन किया गया. पेट्रोल की आग को कंबल से, लकड़ी की आग को फायर एक्सटिंग्विशर से तथा सिलेंडर में लगी आग को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालकर बुझाया गया. कार दुर्घटना में बेहोश कैजुअल्टी को शीशा तोड़कर बाहर निकालकर

सीपीआर देकर जीवन रक्षा का अभ्यास कराया गया.

इसके अतिरिक्त, बहुमंजिला भवन में आग लगने की स्थिति में पहली मंज़िल पर फंसे बच्चे को जाल के माध्यम से सुरक्षित नीचे उतारने तथा फायर सूट पहनकर आग में फंसी कैजुअल्टी को बाहर निकालने का प्रदर्शन किया गया. सभी विभागों की आपातकालीन गाड़ियों द्वारा त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किया गया. चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र द्वारा विशेष प्रदर्शन के अंतर्गत आग से एक बछड़े को सुरक्षित बाहर निकालकर पशु-सुरक्षा का भी उदाहरण प्रस्तुत किया गया.इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में आम नागरिकों, स्वयंसेवकों एवं विभिन्न विभागों के बीच समन्वय एवं त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को सुदृढ़ करना रहा.

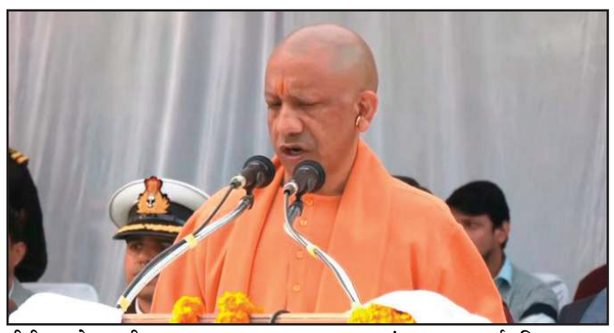

फरुर्खाबाद में भी हुई मॉकड्रिलःफरुर्खाबाद में अग्निशमन कार्यालय मॉकड्रिल का आयोजन किया गया. 06:00 से पर सायरन बजते ही ब्लैकआउट हुआ. इसके बाद 2 मिनिट बाद पुनः सायरन बजने पर मॉकड्रिल शुरू हुई. फायर टेंडर द्वारा लगी हुई आग को बुझाया गया. इसके बाद घायलों का रेस्क्यू कर उनको प्राथमिक उपचार दिया गया.छत पर मौजूद घायलों को रस्सी के सहारे उतारकर उपचार देकर अस्पताल ले जाया गया.

अचानक ब्लास्ट के साथ बत्ती गुलःइसी तरह उन्नाव में भी आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए बड़े मॉकड्रिल का आयोजन किया गया. पुलिस लाइन परिसर में आयोजित इस मॉकड्रिल को महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर समर्पित किया गया. अभ्यास के दौरान कुछ समय के लिए शहर में बिजली आपूर्ति बंद कर ब्लैकआउट जैसी स्थिति उत्पन्न की गई, जिससे युद्धकालीन हालात और हवाई हमले जैसी आपदाओं का वास्तविक अभ्यास किया जा सके. पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि इस मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य किसी भी आपदा या आपात स्थिति में सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और त्वरित प्रतिक्रिया को मजबूत करना है. नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर आयोजित यह मॉकड्रिल देशभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध की भावना को भी जागृत करती है. एसपी ने कहा कि इस तरह की ड्रिल के दौरान घबराएं नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें.

रायबरेली में परखी गई प्रशासन की सतर्कताः रायबरेली शहर कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित राजकीय कॉलोनी के ग्राउड में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग तथा मिलिट्री के जवानों की सहभागिता रही. मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन को स्वयं को सुरक्षित रखने के उपायों की जानकारी देना तथा विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय को परखना था. ड्रिल के दौरान यह अभ्यास कराया गया कि ब्लैकआउट की स्थिति में किस प्रकार घरों व खुले स्थानों पर रहकर स्वयं को सुरक्षित रखा जाए. अनावश्यक रोशनी से कैसे बचा जाए और आपदा के समय प्रशासनिक निर्देशों का पालन कैसे किया जाए. लोगों को घबराने के बजाय संयम बरतने और सतर्क रहने के संदेश भी दिए गए.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों के लिए अहम संवेदनशील निर्णय

- गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की विभिन्न आवास योजनाओं में दंडनीय ब्याज माफी
- गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की आवास योजनाओं में दंडनीय ब्याज माफी के लिए वन टाइम राहत योजना
- 6 महीने की समय सीमा में आवास की किस्त की मूल राशि पूरी तरह भरने वालों का दंडनीय ब्याज माफ किया जाएगा
- 9 हजार से अधिक ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों को कुल 154 करोड़ रुपए की दंडनीय ब्याज राहत मिलेगी
- मूल राशि पूरी तरह चुका देने वाले लाभार्थियों को मालिकाना हक मिलेगा और वे स्वयं मकान मालिक बनेंगे

गांधीनगर, 23 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की आवास योजनाओं के लाभार्थियों के व्यापक हित में एक महत्वपूर्ण संवेदनशील निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णयानुसार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की आवास योजना के वे लाभार्थी; जो मूल राशि पूरी तरह चुकाने के लिए सहमत हैं, लेकिन मासिक दो प्रतिशत दंडनीय ब्याज चुकाने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें राहत दी जाएगी।

मुख्यमंत्री के समक्ष ऐसे लाभार्थियों द्वारा की गई प्रस्तुतियों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस आवास योजना के वे लाभार्थी जो 6 महीनों में अपनी बकाया मूल राशि पूरी तरह चुका देंगे; उन्हें वन टाइम ब्याज माफी योजना के अंतर्गत 2 प्रतिशत दंडनीय ब्याज की वसूली से मुक्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस निर्णय से लगभग 9,029 ग्रामीण परिवारों को लाभ होगा और उन्हें कुल लगभग 154 करोड़ रुपए की बड़ी दंडनीय राशि की राहत मिलेगी।

इतना ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के इन परिवारों को उनके नाम पर मकान के मालिकाना हक मिलने से वे वास्तविक अर्थों में अपने स्वयं के मकान के धारक बन जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रत्येक जरूरतमंद नागरिक को स्वयं का आवास उपलब्ध कराने के संकल्प को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस जनहितोन्मुखी निर्णय से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के परिवार साकार कर सकेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया

ग्रंथ कुटीर में भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 किताबों का संग्रह है

शास्त्रीय भाषाओं में जमा ज्ञान का भंडार हमें अपने समृद्ध अतीत से सीखने और उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करता है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (23 जनवरी, 2025) राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया। ग्रंथ कुटीर में भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं – तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला में पांडुलिपियों और किताबों का समृद्ध संग्रह है।

ग्रंथ कुटीर भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को प्रदर्शित करता है। इस कुटीर में भारत की 11 भारतीय शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 किताबों का संग्रह है। भारत सरकार ने 3 अक्टूबर, 2024 को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। इससे पहले, छह भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त था। ग्रंथ कुटीर संग्रह में महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान और भक्ति साहित्य जैसे विषयों के साथ-साथ इन भाषाओं में भारत का संविधान भी शामिल है। संग्रह में लगभग 50 पांडुलिपियां भी शामिल हैं। इनमें से कई पांडुलिपियां ताड़ के पत्ते, कागज, छाल और कपड़े जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हाथ से लिखी गई हैं।

ग्रंथ कुटीर को केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों और देश भर के व्यक्तिगत दानदाताओं के सहयोग से विकसित किया गया है। शिक्षा मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय और उनसे जुड़े संस्थानों ने इस पहल का समर्थन किया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) पांडुलिपियों के प्रबंधन, संरक्षण, प्रलेखन और प्रदर्शन में पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान कर रहा है।

ग्रंथ कुटीर को विकसित करने का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है। औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को खत्म करने के राष्ट्रीय संकल्प के तहत, ग्रंथ कुटीर को प्रमुख रचनाओं के माध्यम से समृद्ध विरासत को दिखाने और विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। ग्रंथ कुटीर ज्ञान भारतम मिशन के विजन को समर्थन देने का प्रयास है। यह भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने, डिजिटाइज करने और फैलाने की राष्ट्रीय पहल है, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए परंपरा को प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ती है।

पहले, विलियम होगार्थ की मूल रचनाओं की एक कैटलॉग, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के भाषण, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के प्रशासन का सारांश, लॉर्ड कर्जन का जीवन, पंच पत्रिकाएँ और अन्य पुस्तकें यहाँ रखी थीं। इन्हें अब राष्ट्रपति भवन परिसर के अंदर अलग स्थान पर ले जाया गया है। ये पुस्तकें अभिलेखीय संग्रह का हिस्सा हैं, उन्हें डिजिटाइज किया गया है और शोधकर्ताओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा।

आगंतुक राष्ट्रपति भवन सर्किट 1 के अपने गाइडेड टूर के दौरान रचनाओं और पांडुलिपियों की झलक देख पाएंगे। साथ ही, लोग संग्रह की जानकारी एक्सेस कर सकते हैं और पुस्तकें और पांडुलिपियाँ पढ़ सकते हैं जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध होंगी। शोधकर्ता ग्रंथ कुटीर तक फिजिकल एक्सेस के लिए पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। कुछ प्राचीन रचनाएँ जिन्होंने इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने में योगदान दिया है, वे हैं संस्कृत में वेद, पुराण और उपनिषद; गाथासप्तशती, सबसे पुरानी ज्ञात मराठी साहित्यिक कृति; पाली में विनय पिटक जो बौद्ध भिक्षुओं के लिए मठवासी नियमों की रूपरेखा बताता है; जैन आगम और प्राकृत शिलालेख जो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक रिकॉर्ड के रूप में काम करते हैं; चर्यापद, असमिया, बांग्ला और उड़िया में प्राचीन बौद्ध तांत्रिक ग्रंथ; तिरुक्कुरल, जीवन के विभिन्न पहलुओं पर क्लासिक तमिल ग्रंथ; तेलुगु में महाभारत; कन्नड़ में अलंकार, काव्यशास्त्र और व्याकरण पर सबसे पुरानी उपलब्ध कृति कविराजमार्ग और मलयालम में रामचरितम। कुटीर के उद्घाटन के बाद जनसमूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की नींव रखी है। भारत की शास्त्रीय भाषाओं में रचित विज्ञान, योग, आयुर्वेद और साहित्य के ज्ञान ने सदियों से दुनिया को रास्ता दिखाया है। तिरुक्कुरल और अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथ आज भी प्रासंगिक हैं। इन भाषाओं के माध्यम से गणित, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और व्याकरण जैसे विषयों का विकास हुआ है। पाणिनी का व्याकरण, आर्यभट्ट का गणित, और चरक और सुश्रुत का चिकित्सा विज्ञान आज भी दुनिया को चकित करता है। इन शास्त्रीय भाषाओं ने आधुनिक भारतीय भाषाओं के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन भाषाओं के योगदान का सम्मान करने और उनके संरक्षण और विकास को बढ़ावा देने के लिए, उन्हें शास्त्रीय भाषाओं का विशेष दर्जा दिया गया है।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने कोलकाता में पराक्रम दिवस समारोह में शामिल हुए

आराम से ऊपर सम्मान और भय से ऊपर स्वतंत्रता – यही नेताजी के जीवन की परिभाषा थी: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने विक्टोरिया मेमोरियल में नेताजी पर पुस्तक का विमोचन किया और आईएनए की विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित विक्टोरिया मेमोरियल हॉल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पराक्रम दिवस केवल नेताजी को श्रद्धांजलि मात्र नहीं है, बल्कि पीढ़ियों तक साहस का संचार है। उन्होंने नेताजी द्वारा आराम को त्यागने के सचेत निर्णय को याद किया। इसमें भारतीय सिविल सेवा में एक प्रतिष्ठित पद को अस्वीकार करना और राष्ट्र की पूर्ण स्वतंत्रता के लिए उच्च पद का त्याग करना शामिल है। उन्होंने कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज को संगठित करके और अनगिनत भारतीयों को सुरक्षा से ऊपर सम्मान और भय से ऊपर स्वतंत्रता को रखने के लिए प्रेरित करके भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक वैकल्पिक मार्ग प्रशस्त किया।

उपराष्ट्रपति ने नेताजी के देश के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से दक्षिण भारत से गहरे जुड़ाव को रेखांकित किया और तमिलनाडु के कई जिलों के आईएनए सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।

सीएम योगी ने मेदांता में महंत नृत्य गोपाल दास का हाल जाना, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

लखनऊ। श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास का हाल जानने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को मेदााता

हॉस्पिटल पहुंचे। सीएम योगी ने डॉक्टरों से आइसीयू में भर्ती महंत की तबीयत के बारे में जानकारी ली और बेहतर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया। महंत नृत्य गोपाल दास की अचानक तबीयत खराब होने के बाद बुधवार दोपहर करीब तीन बजे मेदांता लाया गया था।

उपराष्ट्रपति ने कटक में पराक्रम दिवस समारोह में नेताजी के दृष्टिकोण और पराक्रम की भावना को रेखांकित किया

पराक्रम दिवस केवल नेताजी की वीरता का स्मरणोत्सव नहीं है, बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए राष्ट्र की सेवा करने का एक आ'ान है: उपराष्ट्रपति

'विकसित भारत की ओर कदम-कदम': उपराष्ट्रपति ने नागरिकों से नेताजी के साहस, एकता और राष्ट्र निर्माण के प्रति सर्वोच्च समर्पण के आदर्शों का पालन करने का आग्रह किया

उपराष्ट्रपति – नेताजी की जीवन कहानी ने ही सबसे पहले मेरे हृदय में देशभक्ति की भावना जगाई

उपराष्ट्रपति ने आदिवासी विकास की दिशा में ओडिशा सरकार के प्रयासों की सराहना की

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज ओडिशा के कटक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मस्थान संग्रहालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए नेताजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें देश का महान सपूत बताया। उन्होंने नेताजी की जन्मभूमि की अपनी यात्रा को अत्यंत ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने न केवल देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, बल्कि स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र के शासन के लिए उनका स्पष्ट दृष्टिकोण भी था। उन्होंने कहा कि नेताजी ने भारत को एक मजबूत, शक्तिशाली और गरीबी मुक्त राष्ट्र के रूप में देखा था।

भारतीय राष्ट्रीय सेना के आरोही गीत "कदम कदम बढ़ाए जा" की उत्साहवर्धक धुन को याद करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के लिए नेताजी का दृष्टिकोण राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है। उन्होंने लोगो से नेताजी के साहस, एकता और मातृभूमि के प्रति सर्वोच्च समर्पण के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए, 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ने का सामूहिक संकल्प लेने का आग्रह किया ।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा भारत की सभ्यतागत यात्रा में एक विशेष स्थान रखता है, जहाँ इतिहास, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनूठा संगम है। उन्होंने आदिवासी विकास की दिशा में ओडिशा सरकार के केंद्रित प्रयासों, आदिवासी समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाने की पहलों और सतत अवसंरचना विकास की सराहना की। राज्य की प्रगति पर उन्होंने कहा कि सुशासन जारी रहने पर ओडिशा देश के अग्रणी राज्यों में से एक बनकर उभरेगा।

प्राचीन काल से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक ओडिशा की समृद्ध प्रतिरोध परंपरा का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह विरासत नेताजी के क्रांतिकारी मार्ग में सशक्त रूप से प्रतिध्वनित हुई। उन्होंने कहा कि आक्रमणों का सामना करते हुए अपनी पहचान को संरक्षित रखने वाली इस भूमि ने नेताजी के इस संदेश को गहराई से समझा कि स्वतंत्रता समर्पण से नहीं, बल्कि साहस और एकता से प्राप्त होती है।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का रिकॉर्ड किया गया भाषण प्रसारित किया गया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2021 से नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाकर और रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखकर उन्हें उचित सम्मान प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का निर्णायक नेतृत्व, निडर दृष्टिकोण और राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता वास्तव में पराक्रम की भावना को दर्शाती है।

बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन के बाद हुई पत्रकारों की कार्यशाला और सम्मान समारोह

फिरोजाबाद टूंडला बसंत पंचमी के मौके पर प्रेस क्लब टूंडला द्वारा सरस्वती पूजा पत्रकारों की कार्यशाला और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

सुभाष चौराहा स्थित श्री राम शारदा बैंकट हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन के साथ हुई आचार्य मुकेश त्रिपाठी ने विधि विधान से मां सरस्वती के सम्मुख पूजा अर्चना प्रारंभ की लगभग 1 घंटे चली पूजा के दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष सत्येंद्र डाकरे महासचिव रंजीत गुप्ता उपाध्यक्ष राजीव गौतम उपाध्यक्ष बृजपाल परमार कोषाध्यक्ष नारायण शास्त्री शहर कोषाध्यक्ष रामपाल चौधरी सह सचिव विपिन कुमार दुर्गेश यादव श्याम पाठक जे पी सिंह आदि उपस्थितरहे।

इसके बाद प्रेस क्लब द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म जयंती के मौके पर सुभाष चौराहा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरस्वती पूजा के बाद सरकार कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के मंत्रों के उच्चारण के साथ किया गया। पत्रकार कार्यशाला में डॉ संजीव जैन द्वारा पत्रकारों की भूमिका और पत्रकारिता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला इसके बाद जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि सिंह द्वारा पेशेवर पत्रकारिता में चुनौतियों और पत्रकारिता धर्म पर व्याख्यान देते हुए पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला।

पत्रकार जेपी सिंह द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में पेशेवर पत्रकारता के

सामने आ रही चुनौतियों के विषय में अपना पक्ष रखते हुए पत्रकारिता के पहलुओं पर चर्चा की।

योगेंद्र उपाध्याय द्वारा मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस पत्रकारिता लेखन और कविता को मां सरस्वती का आशीर्वाद बताते हुए कहा कि यह लोकतंत्र और समाज की आवश्यकता है की समझ में लेखक और पत्रकार स्वतंत्र रूप से अपनी भूमिका निभाएं जिससे समाज में निरंतर जन जागरण चलता रहे।

कवि चेतन बिहारी सक्सेना मां सरस्वती की कृपा उनके प्रकट उत्सव कविता और लेखन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लेखक हमेशा समाज का शुभचिंतक होता है । मां सरस्वती की कृपा से पत्रकार और लेखक समाज के शुभचिंतक है और वह समाज के हित के लिए निरंतर कार्य करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने जीवन समाज के लिए पत्रकार और पत्रकारिता को हम बताया उन्होंने कहा कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में समाज के लिए काम करते हैं।

कार्यक्रम में मौजूद कवि दिलीप गौर ने अपनी कविताओं के जरिए पत्रकार कार्यशाला में अपने विचार रखें उन्होंने अपनी कई प्रसिद्ध कविताएं सदन में उपस्थित लोगों के समक्ष रखी लोगों ने उनकी कविताओं को खूब सराहा।

कार्यक्रम में फ मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष रेहान खान द्वारा सरस्वती मां के प्रकट दिवस पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि मां सरस्वती की आराधना किसी भी कार्यक्रम से पहले की जाती है क्योंकि मां का स्मरण आज्ञा के अंधेरे को दूर कर ज्ञान का प्रकाश देता है और किसी भी व्यक्ति का ज्ञान ही उसे श्रेष्ठ बनाता है उन्होंने पत्रकारों की निर्भीकता और हर जगह उपलब्धता को लेकर कहा कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में भी उसे जगह पहुंचते हैं जहां बहुत जल्दी कोई भी नहीं पहुंच पाता। पत्रकार का लक्ष्य समाज के सामने किसी भी घटना के तथ्यों के साथ प्रस्तुत करना होता है जिससे समाज के सामने निष्पक्ष खबरें आ सकें।

जिला विद्यालय निरीक्षक धीरेंद्र सिंह यादव ने मौजूदा परिस्थितियों में पत्रकारों की भूमिका को हम बताया उन्होंने कहा कि पत्रकार सदैव समाज को दिशा देने का काम करते हैं सरकार प्रशासन और जनता के बीच की कड़ी है पत्रकार। यह कड़ी जितनी जागरूक और मजबूत होगी समाज भी उतना ही जागरूक और सशक्त होगा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष पांडे द्वारा पत्रकार कार्यशाला में पत्रकारों की मेहनत और उनके नजरिए की सराहना करते हुए कहा की पत्रकार सदैव समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं मौजूदा परिस्थितियों में कई बार एक पक्ष को सुनकर ही खबर दाग दी जाती है लेकिन जवाब दूसरे पक्ष की बात सुनेंगे और करेंगे तो निश्चित तौर पर खबर निष्पक्ष होगी।

कार्यक्रम में वर्तमान जिला अध्यक्ष वृंदावन लाल गुप्ता ने पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए कहा के पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और यह स्तंभ जितना मजबूत और पारदर्शी होगा यह लोकतंत्र के स्वस्थ होने की निशानी है।

टूंडला के उप जिलाधिकारी अंकित वर्मा ने मीडिया को समाज की जरूरत बताते हुए कहा कि मीडिया हमें हर छोटी बड़ी खबर से रूबरू कराती है लेकिन आज के परिदृश्य में कङ्क

श्री कमलनयन बजाज की 111 वीं जयंती पर उनके जीवन और विरासत को समर्पित लघु फिल्म का लोकार्पण

श्री शिशिर बजाज और समस्त बजाज समूह परिवार ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मुंबई, 23 जनवरी। भारत के प्रख्यात उद्योगपति और स्वाधीनता सेनानी श्री कमलनयन बजाज की 111वीं जयंती के अवसर पर उनकी गौरवशाली जीवन यात्रा को समर्पित विशेष लघु फिल्म का लोकार्पण उनके सुपुत्र और बजाज फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री शिशिर बजाज द्वारा शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 को किया गया।

बजाज समूह परिवार द्वारा निर्मित और यू-ट्यूब पर उपलब्ध यह विशेष लघु फिल्म श्री कमलनयन बजाज के महान व्यक्तित्व और उनके असाधारण जीवन एवं युग को जीवंत करती है, जिन्होंने बजाज समूह की सच्ची उद्यमशील नींव रखी और भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह स्मृतिजनक फिल्म श्री कमलनयन बजाज की उस यात्रा को दशार्ती है, जिसमें वे महात्मा गांधी से प्रेरित एक युवा स्वतंत्रता सेनानी से एक दूरदर्शी उद्योगपति और राष्ट्रनिमार्ता बने। वे मानते थे कि व्यवसाय केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा करने का एक पुनीत देशभक्ति कर्तव्य है। 23 जनवरी, 1915 को जमनालाल बजाज और जानकीदेवी बजाज के घर जन्मे कमलनयन बजाज तीन महान व्यक्तित्वों के नैतिक प्रभाव में पले-बढ़े—अपने पिता जमनालाल बजाज, अपने मार्गदर्शक महात्मा गांधी और अपने गुरु आचार्य विनोबा भावे। जीवन में प्रवेश करते समय ही उनके मूल्य स्पष्ट थे। मात्र 15 वर्ष की आयु में उन्होंने दांडी मार्च में भाग लिया और स्वदेशी व खादी आंदोलनों के प्रारंभिक समर्थक बने। उस दौर में, जब आर्थिक सशक्तिकरण स्वतंत्रता आंदोलन के लिए आवश्यक था, वे मानते थे कि उद्देश्य पद या सत्ता से पहले आना चाहिए और उद्यम का लक्ष्य राष्ट्रीय हित की सेवा होना चाहिए। लघु फिल्म यह दशार्ती है कि कैसे कमलनयन बजाज ने सचेत रूप से ऐसे उद्योगों की स्थापना की, जिन्होंने भारत की आयात पर निर्भरता को कम किया और 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को उस समय साकार किया, जब यह शब्द प्रचलन में भी नहीं आया था। अभिलेखीय दृश्यों में उन्हें उत्तर प्रदेश की गोला चीनी मिल का बार-बार दौरा करते हुए दिखाया गया है, जिसे उनके पिता ने चीनी आयात को रोकने के लिए स्थापित किया था। इन दृश्यों में उनका परिवार और उनके छोटे पुत्र शिशिर भी दिखाई देते हैं, जिन्होंने आगे चलकर बजाज हिन्दुस्थान शुगर के बड़े विस्तार का नेतृत्व किया। फिल्म यह भी दशार्ती है कि कैसे उन्होंने उस समय वैश्विक सहयोग स्थापित किये, जब भारत की अर्थव्यवस्था काफी कमजोर थी। ऐसा ही एक सहयोग बजाज इलेक्ट्रिकल्स के लिए वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पनी फिलिप्स के साथ था और दूसरा इतालवी स्कूटर निमार्ता पियाजियो की वेस्पा के साथ, जिससे बजाज का ऑटोमोबाइल व्यवसाय शुरू हुआ। इन अग्रणी साझेदारियों ने कमलनयन बजाज को बजाज समूह का वास्तविक उद्यमी सिद्ध किया, जिन्होंने मूल्य-आधारित विरासत को एक वैश्विक स्तर पर सम्मानित औद्योगिक समूह में रूपांतरित किया। व्यवसाय से परे, कमलनयन बजाज 15 वर्षों तक महाराष्ट्र के वर्धा क्षेत्र से संसद सदस्य रहे और ग्रामीण समुदायों के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए स्वयं को समर्पित किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत कार्यों और सांस्कृतिक संस्थानों को सुदृढ़ करने में निरंतर योगदान दिया। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण में भी एक शांत किंतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से रियासतों के एकीकरण के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की सहायता की। इस योगदान का उल्लेख वी.पी. मेनन ने अपनी पुस्तक में किया है। वीडियो में वर्धा स्थित बजाजवाड़ी को भी पुनः दशार्या गया है, जो सौहार्द, संवाद और राष्ट्रीय सेवा का प्रतीक बन गई थी। यहाँ पंडित जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री, सरोजिनी नायडू, मोरारजी देसाई, खान अब्दुल गफ्फार खान और यहां तक कि नेपाल के राजा-रानी जैसे अनेक नेता आये। सेवाग्राम आश्रम में गांधीजी से मिलने के लिए ये यात्राएँ इतनी नियमित थीं कि महात्मा गांधी ने बजाजवाड़ी को 'राष्ट्रीय अतिथि गृह' कहा था। लोकार्पण के इस महत्वपूर्ण अवसर पर बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन श्री शिशिर बजाज ने कहा कि मेरे पिता का मानना था कि जो हम बनाते हैं वह टिकाऊ होना चाहिये और जो टिकाऊ हो, उसे समाज की सेवा करनी चाहिये। उनके लिए उद्योग, सार्वजनिङ्क

भारत के सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री कमलनयन बजाज की 111 वीं जयंती पर निर्मित विशेष लघु फिल्म का एक दृश्य एवं नवनिर्मित लघु फिल्म का यू-ट्यूब लिंक।

वासन्तिका उत्सव में नृत्यांगनाओं ने नृत्य के माध्यम से सरस्वती जी को पुष्पांजलि अर्पित की

(जीएनएस)।

लखनऊ। श्री नृत्यधाम दक्ष फाउंडेशन के तत्वावधान में आज जानकीपुरम गार्डन, सेक्टर-डी, प्लॉट नंबर- 1063 जानकीपुरम में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित वासंतिका उत्सव में नृत्यांगनाओं ने नृत्य के माध्यम से विद्या की देवी सरस्वती जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

वासंतिका उत्सव का शुभारंभ पीले वस्त्रों में नृत्यांगनाओं एवं महिलाओं ने विद्या व संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना और हवन से हुआ।

निशी मिश्रा के संयोजन में आयोजित वासन्तिका उत्सव में दक्षता तिवारी, विदुषी सिंह, विदुषी अवस्थी, शिवि, रक्षिता, अद्रिका और रेहा आदि अन्य बाल नृत्यांगनाओ ने पिया आयो वसंत पर नृत्य प्रस्तुत कर विद्या की देवी सरस्वती जी के चरणों में अपने अगाध श्रद्धा अर्पित की।

वासंतिका के अगले सोपान में पीहू, काश्वी, सानवी, ईशी, अनायरा, अदीरा, काव्या, उत्सवी और रिद्धिमा

सहित अन्य बाल और युवा नृत्यांगनाओं ने कथक नृत्य शैली में सरस्वती वंदना मां सरस्वती शारदे पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर विद्या की देवी सरस्वती जी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गुरू मां वीना सेवक, विशिष्ट अतिथि डॉ. शगुफ़्ता और डॉ.शालिनी अवस्थी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उत्कर्ष मिश्रा, लता मिश्रा, निष्कर्ष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मिल्कीपुर में विधायक चन्द्रभानु पासवान की मौजूदगी में हुआ भव्य आयोजन

मिल्कीपुर।अयोध्या जनपद के मिल्कीपुर क्षेत्र में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मिल्कीपुर में आयोजित इस समारोह में कुल 190 जोड़ियों का विधि-विधान से विवाह संपन्न हुआ। मीडिया से बात करते हुए विधायक चन्द्रभानु पासवान ने कहा हमारी सरकार का मकसद गरीबों वंचितों की सहायता करना है जिसके तहत इस तरह की योजना भाजपा सरकार की तरफ से चलाई जा रही है जिससे हमारी बहनों का विवाह कुशलता पूर्वक संपन्न हो पाया है।

इस अवसर पर मिल्कीपुर ब्लॉक से 65 जोड़ियां, हैरिंग्टनगंज ब्लॉक से 52 जोड़ियां, अमानीगंज ब्लॉक से 62 जोड़ियां, जबकि नगर पंचायत क्षेत्र से 8 जोड़ियां शामिल रहीं। इसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय की 3 जोड़ियों का भी विवाह इस सामूहिक आयोजन में संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से निर्धारित उपहार व सहायता राशि प्रदान की गई। आयोजन में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। पूरे समारोह का माहौल उत्सवपूर्ण एवं अनुशासित रहा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए एक सराहनीय पहल है, जो सामाजिक समरसता और समानता को मजबूती प्रदान करती है।

उक्त अवसर पर जनदिन मौर्य पूर्व सांसद प्रतिनिधि, अशोक मिश्रा जिला पंचायत सदस्य ,बबलू पासी जिला पंचायत सदस्य, सरजू दुबे भाजपा नेता,गंगदीन रावत, सियाराम रावत, ब्रह्म प्रकाश शुक्ल, अमरेंद्र मौर्य मंडल अध्यक्ष कुमारगंज, संदीप चौधरी मंडल अध्यक्ष कुचेरा, विजय प्रकाश चौरसिया मण्डल अध्यक्ष हैरंग्टीनगंज आदि सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व आगंतुक मौजूद रहे।

आलमबाग में खुला टॉपरैंकर्स का चौथा संस्थान, हुआ टॉपर्सटॉक का आयोजन

लखनऊ। ज्ञान, विद्या और बुद्धि की देवी माँ सरस्वती को समर्पित वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर टॉपरैंकर्स लखनऊ में ह्यटॉपर्स टॉकह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जब टॉपर्स ने स्वयं अपनी सफलता की कहानी साझा की, तो माहौल प्रेरणा और उत्साह से भर गया। कार्यक्रम के साथ ही टॉपरैंकर्स के चौथे संस्थान का आलमबाग में आधिकारिक उद्घाटन शौर्यवर्धन और अपूर्वश्री एवं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की धर्मपत्नी नम्रता पाठक ने किया।

टॉपर्स टॉक कार्यक्रम में टॉपरैंकर्स के होनहार छात्र शौर्यवर्धन और अपूर्वश्री ने अपने सहपाठियों और जूनियर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता न तो एक दिन की मेहनत से मिलती है और न ही केवल किस्मत से। इसके लिए निरंतरता, अनुशासन और एक समान जज्बे के साथ की गई मेहनत जरूरी है। उन्होंने बताया कि किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए 12-14 घंटे पढ़ाई करना आवश्यक नहीं, बल्कि यह जरूरी है कि जो भी पढ़ा जाए, वह पूरी एकाग्रता और फोकस के साथ हो तथा कॉन्सेप्ट को गहराई से समझा जाए।

टॉपर्स ने छात्रों को किताबों तक सीमित न रहने की सलाह देते हुए कहा कि अपने विषय से जुड़े घटनाक्रमों और व्यावहारिक उदाहरणों को समझना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि प्रैक्टिकल समझ थ्योरी को और मजबूत बनाती है। इस दौरान उन्होंने लीगलएज को धन्यवाद देते हुए उसके रिवीजन पैटर्न और अकादमिक सिस्टम की सराहना की। उन्होंने कहा कि लीगलएज एक ऐसा संस्थान है जो रिवीजन थ्योरी, मॉक

टेस्ट, कॉन्सेप्ट क्लियर क्लासेज, अनुपस्थित छात्रों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं, डाउट क्लियरिंग सेशन, वन-टू-वन मेंटरिंग और पैरेंट्स-टीचर मीटिंग पर विशेष ध्यान देता है।

इस अवसर पर लीगलएज लखनऊ के निदेशक विशाल शर्मा ने कहा कि संस्थान की हर सफलता और हर नया कदम उसके छात्र-छात्राओं की मेहनत और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि टॉपर्स टॉक कार्यक्रम और टॉपरैंकर्स के चौथे संस्थान का उद्घाटन आलमबाग में किया गया है, जिसके पीछे छात्रों की उपलब्धियों की अहम भूमिका रही है।

निदेशक विशाल शर्मा ने जानकारी दी कि इस वर्ष लीगलएज के छात्रों ने एआईआर-1, एआईआर-2 और एआईआर-3 सहित टॉप-10 में कुल 7 रैंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि छात्रों और फैकल्टी की एकजुट मेहनत और समर्पण का नतीजा है।

केजीएमयू का नया इलाज, जाम और अवैध मार्केट को छोड़, मजार पर चस्पा किया नोटिस!

आस्था पर प्रहार कर योगी सरकार को बदनाम करने की रची जा रही है साजिश?

(जीएनएस)।

लखनऊ। अपनी तहजीब और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के लिए मशहूर नवाबों के शहर में प्रशासन के एक हालिया कदम ने जनता के बीच रोष पैदा कर दिया है। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ङ्क्ष्ट्रव परिसर के पास स्थित एक प्राचीन मजार पर नोटिस चस्पा किए जाने को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। लोगों और जानकारों का मानना है कि यह कदम केवल आस्था पर प्रहार नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की छवि को धूमिल करने की एक प्रशासनिक साजिश हो सकती है।

तर्क दिया जा रहा है कि यह दरगाह तब से अस्तित्व में है जब ङ्क्ष्ट्रव की कई आधुनिक इमारतों का वजूद भी नहीं था। यह महज ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है। ऐसे में अचानक इसे अतिक्रमण की श्रेणी में रखकर नोटिस देना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है।

शहर का पांडेगंज इलाका आज भी भारी जाम और अवैध अतिक्रमण की चपेट में है। सालों पहले दालमंडी को मुल्लापुर, नई गल्ला मंडी शिफ्ट करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन आज भी दुकानदार वहां जमे हुए हैं। प्रशासन इन अवैध माकेर्टों को हटाने में नाकाम रहा है, जिससे जनता को रोज जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। शहर के कई व्यावसायिक इलाकों में अवैध कब्जे और बेतरतीब निर्माण के कारण आम नागरिक परेशान हैं। वहां बुलडोजर या नोटिस क्यों नहीं

पहुंचता?

लखनऊ अपनी एकता के लिए जाना जाता है। ऐसे समय में जब सरकार विकास और कानून-व्यवस्था पर ध्यान दे रही है, कुछ अधिकारी इस तरह के संवेदशील मुद्दे उठाकर जनता के बीच क्रोध पैदा कर रहे हैं। यह संदेह पैदा करता है कि क्या कुछ अधिकारी जानबूझकर ऐसे विवाद खड़ा कर रहे हैं जिससे जनता सरकार के विरुद्ध सोचने पर मजबूर हो जाए।

शासन को हस्तक्षेप की आवश्यकता है, यह मजार का मामला नहीं, बल्कि शहर के सांप्रदायिक सौहार्द का है। किसी भी पुराने धार्मिक स्थल पर कार्रवाई करने से पहले शासन को उसके ऐतिहासिक महत्व और जन-भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। प्रशासन को चाहिए कि वह शहर के असली नासूर जाम और अवैध मार्केट पर ध्यान दे, न कि ऐसे कदम उठाए जिससे सरकार की बदनामी हो और शहर का माहौल खराब हो।

जश्न-ए-विलादत, फूलों और रोशनी से महका शहर-ए-अदब,

काजमैन से दरगाह तक: उमड़ा इमाम के चाहने वालों का सैलाब,

लखनऊ। तहजीब के शहर लखनऊ ने एक बार फिर अपनी रिवायतों को जिंदा करते हुए इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की विलादत जन्म का जश्न बेहद शायाने-शान तरीके से मनाया। पुराने शहर के जर्रे-जर्रे में इमाम की मोहब्बत का नूर बिखरा नजर आया और फिजाएं 'या हुसैन' के गूंजते तरानों से सराबोर रहीं।

तीन शाबान की मुबारक तारीख पर काजमैन की सरजमीं से जुलूस-

ए-हुसैन का आगाज हुआ। यह सिर्फ एक जुलूस नहीं, बल्कि इमाम के चाहने वालों की अटूट वफा का इजहार था। सजे-धजे रास्तों, झिलमिलाती रोशनी और महकते फूलों के बीच यह कारवां टापे वाली गली और काजमैन रोड से होता हुआ जब दरगाह हजरत अब्बास (अ.स.) पहुँचा, तो हर तरफ खुशियों का सैलाब नजर आया।

बजाजा, गोलागंज और मुफ्तीगंज की गलियों में बच्चों की खिलखिलाहट और बुजुर्गों की आंखों में चमक बता रही थी कि यह दिन उनके लिए कितना मुकद्दस है। इमाम की आमद की खुशी में जगह-जगह नज्र-ओ-नियाज का सिलसिला चला और लंगर के जरिए खिदमत-ए-खल्क इंसानियत की सेवा की मिसाल पेश की गई।

इस रूहानी महफिल का सबसे खूबसूरत पहलू वह दुआएं थीं, जो मुल्क की तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए मांगी गईं। लोगों ने न सिर्फ इमाम की विलादत का जश्न मनाया, बल्कि उनके बताए हुए हक और सच्चाई के रास्ते पर चलने का संकल्प भी दोहराया। हुसैन सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि जुल्म के खिलाफ एक बुलंद आवाज और इंसानियत की पहचान हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता परवेज आलम भुट्टो ने किया लखनऊ जायका रेस्टोरेंट का उद्घाटन

जौनपुर। कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता परवेज आलम भुट्टो ने गुरुवार को शहर के किला रोड जौनपुर क्षेत्र स्थित लखनऊ जायका रेस्टोरेंट का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। यह रेस्टोरेंट जायका किला रोड, जौनपुर पर स्थापित किया गया है, जहां लखनऊ की पारंपरिक और शाही व्यंजनों का स्वाद लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा।

उद्घाटन के अवसर पर परवेज आलम भुट्टो ने कहा कि ऐसे रेस्टोरेंट न केवल स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करते हैं, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करते हैं। उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लखनऊ की तहजीब और जायके को जौनपुर में लाना सराहनीय पहल है।

इस मौके पर शहर के गणमान्य लोग, कांग्रेस कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

परेशानी में कृषि बीज

खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज, सरकारों, वैज्ञानिकों, किसान संगठनों और आम लोगों को सामूहिक रूप से देसी बीजों की प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि पारंपरिक बीजों को गुजरे जमाने की चीज न मानकर भविष्य की जरूरत समझा जाए। अगर बीज बचेंगे तो ही लोग बचेंगे, इस बात को समझने की आवश्यकता है। खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज निरंतर लागत बढ़ती चले जाने से हमारे देश में खेती संकट के दौर से गुजर रही है। एक ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, बिजली आदि का खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान की आय सिमटती जा रही है। जलवायु संकट के दौर में अनििात मौसम और कीटनाशकों के बढ़ते प्रकोप ने भी खेती के संकट को बढ़ा दिया है। देश के विभिन्न भागों के वह किसान चर्चा में हैं, जो पारंपरिक देसी बीजों को अपना कर नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। क्या बदहाल खेती के दौर में पारंपरिक देसी बीजों के जरिए हालात को बदला जा सकता है, इस प्रश्न पर आज चर्चा हो रही है। बड़ा सवाल है कि क्या पारंपरिक देसी बीज खेती में नई व्रंति का सूत्रपात कर सकते हैं? खेती में बीजों की गुणवत्ता का मुद्दा बहुत बड़ा है। नकली एवं अमानक बीजों के कारण किसानों को जिस तरह नुकसान झेलना पड़ रहा है, वह चिता का विषय है। सरकार भी नया बीज कानून लाने की कवायद में जुटी है। इसी बीच पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल और संरक्षण कर रहे किसानों की कहानियां विकल्प सुझा रही हैं। मध्यप्रदेश के डिडोरी जिले की एक आदिवासी बस्ती की निवासी 27 वषाय लहरी बाई अपने छोटे से घर में 150 से अधिक दुर्लभ और विलुप्त प्राय देसी बीजों को सहेज रही हैं। लहरी बाई ये बीज स्थानीय हाटों और आसपास के किसानों से एकत्र करती हैं। फिर उन्हें साफ करके, सुखाकर, सुरक्षित रखती हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे किसानों को दे देती हैं। यह कोई सरकारी परियोजना नहीं है, न ही इसके पीछे कोई बड़ी पंडिग है। यह काम भरोसे और जरूरत से चलता है। इस महिला के लिए बीज केवल खेती का साधन नहीं बल्कि जीवन का भरोसा हैं। उनके लिए बीज केवल फसल का जरिया नहीं है बल्कि संस्वृति, स्वाद और आत्म निर्भरता भी है। लहरी बाई को 'मिलेट वुमन' या 'मिलेट एम्बेसडर' कहा जाता है लेकिन असल में वे उस ज्ञान की प्रतिनिधि हैं जिसे हमने आधुनिकता की दौड़ में लगभग भुला दिया है। इस पारंपरिक ज्ञान के जानकार बीज को खरीदी जाने वाली वस्तु नहीं बल्कि साझा धरोहर मानते थे। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण प्रयोग पंजाब के बरनाला जिले के वाहेगुरुपुरा गांव में किसान अमृत चहल कर रहे हैं। अमृत देसी बीज और प्राकृतिक खेती पर आधारित एक ऐसा मॉडल खड़ा कर रहे हैं जो यह दिखाता है कि पारंपरिक खेती केवल भावनात्मक या अतीत से जुड़ा विषय नहीं है बल्कि आज के समय में भी वह आर्थिक रूप से टिकाऊ हो सकता है। सहकारी ज्ञान और मार्केटिंग के सहारे उन्होंने यह साबित किया है कि किसान केवल खेत में काम करने वाला मजदूर नहीं है बल्कि अपनी मिट्टी, अपने बीज और अपने बाजार का मालिक भी बन सकता है। उन्होंने कुछ लोगों को स्थाई रोजगार दिया है जो इस बात का संकेत है कि देसी बीजों पर आधारित खेती आजीविका का भी ठोस आधार बन सकती है। इस किसान ने 2023 में बेंगलुरू की एक संस्था के सहयोग से देसी बीज बैंक की स्थापना की। इस बीज बैंक में केवल अनाज ही नहीं हैं बल्कि टमाटर, मिर्च, बैंगन, शलगम, मूली, घीया, तोरी आदि सब्जियों के साथ-साथ गेहूं, धान, बाजरा, मक्की और हरे चारे के पुराने देसी बीज भी संरक्षित हैं। कुल मिलाकर 35-40 फसलों की लगभग 150 किस्मों के बीज उनके यहां मौजूद हैं जो फसल विविधता की याद दिलाते हैं। इससे पता चलता है कि हमारी खेती कभी एकरूप नहीं थी। हर इलाके, हर मौसम और हर समाज के अनुसार उसकी अपनी पहचान थी। आज वृषि वैज्ञानिक जिस फसल विविधता पर जोर देते हैं, हमारे पुरखे उसे स्वाभाविक रूप से अपनाए हुए थे। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बीज संरक्षण की यह पहचान आज भी जीवित है। वहां की आदिवासी महिलाएं फसल के सबसे अच्छे और पहले पकने वाले दानों को चिन्हित करती हैं।

INFORMS ने 2026 फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के लिए छह फाइनलिस्ट की घोषणा की; इनमें खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग भी शामिल

(जीएनएस)।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) को अपनी पहल, "अन्न चक्र" के लिए 2026 के लिए प्रतिष्ठित फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के लिए छह फाइनलिस्ट में शामिल किया गया है। यह ऑपरेशंस रिसर्च (ओ.आर.) आधारित निर्णय समर्थन समाधान है जो राज्य-विशिष्ट लॉजिस्टिक्स को ऑप्टिमाइज करके भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करता है। भारत में संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के साथ साझेदारी में विकसित, यह पहल चेवी, ठशक्ठक्क्अ, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट औरईसीसीओ शू सहित अन्य फाइनलिस्ट के साथ खड़ी है।

फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार को व्यापक रूप से "ऑपरेशंस रिसर्च और एनालिटिक्स का नोबेल पुरस्कार" माना जाता है। फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार उन्नत एनालिटिक्स के दुनिया के सबसे प्रभावशाली, उच्च-मूल्य वाले अनुप्रयोगों को मान्यता देता है। शीर्ष छह वैश्विक फाइनलिस्ट में नामित होने से 'अन्न चक्र' सार्वजनिक प्रणालियों, सरकारी सुधार और बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक्स ऑप्टिमाइजेशन में विश्लेषणात्मक नवाचार के मॉडल के रूप में अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित गया है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी ने 'अन्न चक्र' दिसंबर 2025 में आरंभ किया था। 'अन्न चक्र' मजबूत सरकार-संयुक्त राष्ट्र-

अकादमिक सहयोग के माध्यम से विकसित किया गया था और यह पूरे भारत में अनाज की आवाजाही को मजबूत करने के लिए उन्नत ऑप्टिमाइजेशन मॉडल का उपयोग करता है। इसके राष्ट्रीय कार्यान्वयन से निम्नलिखित परिणाम मिले हैं:

अनुमानित वार्षिक बचत 250 करोड़ रुपए

उत्सर्जन में 35% की कमी, जो भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करती है

दक्षता में वृद्धि जिससे 81 करोड़ से अधिक पीडीएस लाभार्थियों को फायदा होता है, जिसमें सबसे कमजोर जनसंख्या भी शामिल है

फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के फाइनल राउंड के लिए अन्न चक्र का चयन, सार्वजनिक वितरण सुधारों के लिए स्केलेबल, डेटा-ड्रिवन मॉडल के तौर पर इसकी ग्लोबल अहमियत को दिखाता है।

इस महीने की शुरूआत में, "अन्न चक्र" परियोजना को भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद में उऊअ डफ्रक एक्सीलेंस इन मैनेजमेंट साइंस एंड एनालिटिक्स प्रैक्टिस अवॉर्ड 2026 मिला - जो इस पहल के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को और मजबूत करता है।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव श्री संजीव चोपड़ा ने कहा, "हमें इन प्लेटफॉर्म पर पहचान मिलने पर गर्व है। अन्न चक्र मॉडल सार्वजनिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को लागू करने की ताकत को दिखाता है। डब्ल्यूएफपी इंडिया और आईआईटी दिल्ली के साथ हमारी साझेदारी इस मुकाम को हासिल करने में बहुत मददगार रही है।"

2026 के फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के विजेता की घोषणा 12-14 अप्रैल, 2026 को नेशनल हार्बर, मैरीलैंड, यूएसए में क्ठत्रड्डफ्टर एनालिटिक्स+ कॉन्फ्रेंस में की जाएगी।

भारत गल्फूड 2026 में 161 प्रदर्शकों के माध्यम से अपने विविध कृषि-खाद्य इकोसिस्टम का प्रदर्शन करेगा

एपीडा का भारती पवेलियन आठ उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप को प्रदर्शित करेगा

भारत पहली बार गल्फूड 2026 में भागीदार देश बना है

(जीएनएस)।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) गल्फूड 2026 में अपनी सुदृढ़, विस्तारित और प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करा रहा है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य व्यापार में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है। भारत गल्फूड 2026 में हिस्सेदार देश है, जो कि एक विश्वसनीय स्रोत गंतव्य और वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक प्रमुख योगदानकर्ता के तौर पर इसके रणनीतिक महत्त्व को रेखांकित करता है।

गल्फूड 2026 में भारत की भागीदारी बीते संस्करणों की तुलना में काफी अधिक है। भारतीय पवेलियन का आकार बीते वर्ष की तुलना में दोगुना हो गया है, जो भारतीय कृषि-खाद्य निर्यात के बढ़ते प्रभाव, भारतीय उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग और निर्यातकों, संस्थानों और स्टार्टअप्स की बढ़ी हुई भागीदारी को दशार्ता है।

भारत की भागीदारी 1,434 वर्ग मीटर के कुल प्रदर्शनी क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, ताजे और फ्रोजेन उत्पाद, दालें, अनाज, पेय पदार्थ, वैल्यू-एडेड खाद्य उत्पाद और कृषि-निर्यात स्टार्टअप सहित विभिन्न श्रेणियों के 161 प्रदर्शक शामिल हैं। भारतीय पवेलियन निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), सहकारी समितियों, स्टार्टअप, राज्य सरकार की एजेंसियों और राष्ट्रीय संस्थानों को एक साथ लाता है, जो भारत के कृषि-खाद्य इकोसिस्टम और निर्यात की तत्परता का व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

भारत की व्यापक कृषि और क्षेत्रीय विविधता को प्रदर्शित करते हुए, 25 राज्यों और क्षेत्रों के प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इनमें असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल (कोलकाता और सिलीगुड़ी सहित), मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र (मुंबई सहित), मेघालय, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। यह भागीदारी क्षेत्र-प्रमुख कृषि उत्पादों, जीआई-टैग वाले उत्पादों, जैविक उत्पादों और वैल्यू-एडेड खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करती है, जो अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यापार में भारत की बढ़ती भागीदारी को दशार्ती है।

गल्फूड 2026 में भारत की उपस्थिति को कई प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों और सरकारी निकायों की भागीदारी से और भी मजबूती मिली है, जिनमें एनएएफईडी, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, उत्तराखंड बागवानी बोर्ड, स्पाइसेस बोर्ड भारत, टी बोर्ड भारत, राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड, भारतीय चावल निर्यातक संघ (आईआरईएफ), अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ, आईओपीईपीसी, द राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ (टीआरईएसीजी), सीओएमएफईडी - बिहार स्टेट मिल्क कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, पंजाब राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन संघ लिमिटेड, कृषि विभाग उद्यान निदेशालय, बिहार सरकार, सिक्किम जैविक कृषि विकास एजेंसी और द सेंट्रल अरेकानट एंड कोकोआ मार्केटिंग एंड प्रोसेसिंग कोऑपरेटिव लिमिटेड (क्यांपको) इत्यादि शामिल हैं।

भारत की भागीदारी का एक प्रमुख आकर्षण भारती पवेलियन है, जो निर्यात के लिए तैयार कृषि-खाद्य और कृषि-तकनीक स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एपीडा की प्रमुख पहल है। दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के स्टार्टअप जोन में स्थित भारती पवेलियन में आठ उच्च क्षमता वाले भारतीय स्टार्टअप प्रदर्शित किए गए हैं, जिनका चयन 100 से अधिक आवेदकों में से राष्ट्रीय स्तर की प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। ये स्टार्टअप एपीडा के विदेश वाले खेत जैसे विजन के अनुरूप नवाचारी उत्पाद, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान और निर्यात-सक्षम प्रस्तुतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय पवेलियन में एक विशेष पाक कला क्षेत्र भी है, जहां पर एक प्रसिद्ध खानसामे भारतीय व्यंजनों का लाइव प्रदर्शन करेंगे। यह अनुभवात्मक क्षेत्र भारत की समृद्ध पाक कला विरासत, विविध क्षेत्रीय स्वादों और भारतीय सामग्रियों की बहुमुखी प्रतिभा को रेखांकित करता है, जिससे खरीदारों की रुचि बढ़ती है और भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर सराहना मिलती है।

उत्पाद प्रदर्शन में दालों, अनाजों और अनाजों का एक व्यापक हिस्सा शामिल है, जिसमें भारतीय किस्मों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है और भारत को विश्व के अग्रणी मुख्य खाद्य उत्पादकों और निर्यातकों में से एक के तौर पर स्थापित किया गया है। प्रदर्शन गुणवत्ता, स्थिरता, पता लगाने की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन पर जोर देते हैं, जिससे वैश्विक बाजार की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

गल्फूड 2026 का आयोजन दो प्रमुख जगहों पर किया जा रहा है, और दोनों ही स्थानों पर भारत की मजबूत और स्पष्ट मौजूदगी है। दुबई एक्सपो सिटी में वर्ल्ड फूड हॉल, दालें, अनाज और अनाज हॉल और गल्फूड ग्रीन स्थित हैं, जो स्थिरता, नवाचार और भविष्य की खाद्य प्रणालियों पर केंद्रित हैं। दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डीडब्ल्यूटीसी) में बेवरेज हॉल और स्टार्टअप हॉल स्थित हैं, जिनमें भारतीय पवेलियन भी शामिल है।

गल्फूड 2026 में भारत की भागीदारी भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) से पैदा हुए अवसरों के अनुरूप है, जिसने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत किया है और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय कृषि और खाद्य उत्पादों के लिए

टाटा प्ले बिंज ने पेश किया 'शॉट्स' – लघु-नाटकों की दुनिया का पहला समर्पित मंच

लखनऊ, 23 जनवरी 2026: टाटा प्ले बिंज ने अपने मंच पर ह्यशॉट्सह्न नाम से एक नया कंटेंट शुरू किया है। यह मोबाइल पर देखने के लिए बने छोटे और सीधे (वर्टिकल) ड्रामा वीडियो हैं, जिन्हें कहीं भी, कभी भी तुरंत देखा जा सकता है। शॉट्स सभी टाटा प्ले बिंज सब्सक्राइबर्स को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के मिलेगा। यह लघु नाटक का एक अलग खंड है, जिसमें अलग-अलग क्रिएटर्स और साझेदारों की कहानियाँ एक ही जगह मिलेंगी, जो खाली समय में देखने के लिए बनाई गई हैं।

शॉट्स में 1-2 मिनट के छोटे एपिसोड हैं, जो खास तौर पर मोबाइल पर देखने के लिए बनाए गए हैं। ये वीडियो सफर करते समय, लाइन में खड़े होकर या छोटे अवकाश के दौरान आसानी से देखे जा सकते हैं। शुरूआत में इसमें एक्शन, ड्रामा और थ्रिलर जैसी श्रेणियों में लगभग 160 से ज्यादा लघु नाटक हैं। इस पर अभी बुलेट और स्टेज जैसे साझेदारों का कंटेंट है और आने वाले महीनों में और भी कई साझेदार इनसे जुड़ने वाले हैं। कुल मिलाकर, इसमें 110 घंटे से ज्यादा का लघु कंटेंट उपलब्ध है।

यह अनुभव पूरी तरह सीधे (वर्टिकल) देखने के लिए बनाया गया है। इसमें आसान स्क्रॉल, अपने-आप अगला वीडियो चलने और सरल खोज की सुविधा है। शॉट्स, टाटा प्ले बिंज ऐप के अंदर ही मिलता है। होम पेज पर अलग सेक्शन और एक अलग शॉट्स टैब के साथ। इससे लोग बिना कोई नया ऐप बदले या अलग सब्सक्रिप्शन लिए, छोटी-छोटी कहानियाँ आसानी से देख सकते हैं।

शुरूआत में बुलेट और स्टेज मिलकर हिंदी और कई क्षेत्रीय भाषाओं में लघु नाटक की एक विविध श्रृंखला लेकर आए हैं जैसे तमिल, तेलुगु, बंगाली और मराठी। शॉट्स पर हिंदी में इश्क किल्स, डिवोर्स के लिए कुछ भी करेगा, रेंट ए बॉयफ्रेंड, मैं हूं अपराजिता तथा तेलुगु में हैं, वन लास्ट राइड देख सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर अन्य क्षेत्रीय लघु नाटक की बात करें, तो 12वीं आला प्यार और गौरव की स्वीटी (हरियाणवी), आफत या प्यार और हॉरर हवेली (राजस्थानी में) हैं।

टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल और कंटेंट ऑफिसर पल्लवी पुरी ने बताया कि, 'छोटे और सीधे (वर्टिकल) वीडियो अब बहुत तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो गए हैं और मोबाइल पर वीडियो देखना एक आम तरीका बन चुका है। लोग अब तुरंत और बार-बार वीडियो देखना पसंद करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने शॉट्स पेश किया है जो इन नई आदतों से मेल खाता है। यह अलग-अलग साझेदारों के लघु नाटक एक ही जगह उपलब्ध कराता है। हम मोबाइल के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अच्छी कहानियाँ उपलब्ध कराके दर्शकों की बदलती आदतों के अनुरूप खुद को ढाल रहे हैं और अपने साझेदारों को भी ज्यादा लोगों तक पहुँचने में मदद कर रहे हैं।'

शॉट्स की शुरूआत से भारत में सबसे विस्तृत ओटीटी मंच के रूप में टाटा प्ले बिंज की स्थिति मजबूत हुई है। इस पर छोटे वीडियो के साथ लंबी कहानियाँ भी देखी जा सकती हैं, ताकि लोग रोज एक ही ऐप में बार-बार और देर तक मनोरंजन प्राप्त कर सकें।

शॉट्स टाटा प्ले बिंज पर अन्य लोकप्रिय ओटीटी मंचों जैसे प्राइम वीडियो, जियोहॉटस्टार, जी5, एप्पल टीवी+, लॉयंसगेट, फैनकोड, अहा, सन नैक्स्ट, डिस्कवरी+, बीबीसी प्लेयर, शेमारूमी, हंगामा, एपिकॉन, हॉलमार्क+, फ्यूज+, अल्ट्रा प्ले, अल्ट्रा चौपाल, स्टेज, वेव्स, क्लिक, मनोरमामैक्स, नम्माफ्लिक्स, आईस्ट्रीम, टाइम्स प्ले, पीटीसी प्ले, तरंग प्लस, प्लेफ्लिक्स, डॉक्यूबे, ट्रैवलएक्सपी, व्रॉट, एनीमैक्स, झक्कास, शॉर्ट्स टीवी, क्यूरियोसिटी स्ट्रीम और डिस्ट्रो टीवी में शामिल हो जाएगा। इन सभी मंचों के कार्यक्रम टाटा प्ले बिंज के दर्शक एकल सदस्यता और एकल उपयोगकर्ता इंटरफेस द्वारा देख सकेंगे। इसके अलावा, टाटा प्ले डीटीएच ग्राहक डीटीएच चैनलों के साथ मिश्रित पैक में नेटफ्लिक्स देख सकते हैं, जबकि डीटीएच कनेक्शन वाले टाटा प्ले बिंज ग्राहक ऐड-ऑन के रूप में अमेजन प्राइम वीडियो देख सकते हैं। ग्राहक एलजी, सैमसंग और एंड्रॉयड और विडा ओएस स्मार्ट टीवी, टाटा प्ले बिंज+ एंड्रॉयड सेट टॉप बॉक्स, अमेजन फायरटीवी स्टिक के टाटा प्ले संस्करण तथा ६६६.ळंझंस्र'८इल्लीॅ.ड्ढ पर इन सभी 30+ ऐप्स का आनंद ले

NICRA की समीक्षा कार्यशाला एवं (ACASA-I»»fdiÔ) के लॉन्च-कम-यूज केस कार्यशाला का उद्घाटन

प्रविष्टि तिथि: 23 खअठ 2026 4:05ढट्ु८ ढक्ब्ह ऊै

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) और बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (BISA) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय जलवायु-सहिष्णु कृषि नवाचार (NICRA) की समीक्षा कार्यशाला तथा एटलस ऑफ क्लाइमेट अडैप्टेशन इन इंडियन एग्रीकल्चर (ACASA-I»»fdiÔ) के लॉन्च-कम-यूज केस कार्यशाला का उद्घाटन आज नई दिल्ली में डॉ. एम. एल. जाट, सचिव (DARE) एवं महानिदेशक (ICAR) द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य NICRA के 15 वर्षों के अनुभवों का समेकन करना, जलवायु सहनशीलता में भारत

की उपलब्धियों का आकलन करना तथा समेकित विज्ञान, नीति-संरेखण और लक्षित निवेश के माध्यम से जलवायु-सहिष्णु कृषि-खाद्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए एक डेटा-आधारित रोडमैप तैयार करना था।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. जाट ने कहा कि बसंत पंचमी, जो ज्ञान और नवचेतना का प्रतीक है, इस अवसर पर, भारत की जलवायु सहनशीलता की यात्रा पर विचार करने तथा आकाशा एटलस और NICRA पोर्टल जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय ज्ञान प्लेटफॉर्म के शुभारंभ के लिए एक उपयुक्त अवसर है। NICRA के 15 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ स्पष्ट रणनीतिक दिशा और दीर्घकालिक दृष्टि की आवश्यकता है। बार-बार आने वाली जलवायु चुनौतियों के बावजूद, विशेषकर वर्षा-आश्रित क्षेत्रों में भारतीय कृषि ने उल्लेखनीय सहनशीलता और उत्पादकता वृद्धि दिखाई है, जो जलवायु-सहिष्णु तकनीकों, सहायक नीतियों और संस्थागत समन्वय की प्रभावशीलता को दशार्ती है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की जलवायु सहनशीलता एक एकीकृत तंत्र पर आधारित है, जिसमें विज्ञान, नीतिगत समर्थन, तकनीकी नवाचार, सामाजिक सुरक्षा, मानव संसाधन और समन्वित कार्यान्वयन शामिल हैं। NICRA, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुधन एवं मत्स्य मिशन जैसी पहलें मिलकर किसानों की अनुकूलन क्षमता और आजीविका को सुदृढ़ कर रही हैं। आगे की दिशा बताते हुए डॉ. जाट ने डेटा, अनुभवों और निवेशों को एकीकृत राष्ट्रीय जलवायु कार्य मंच में समाहित करने, सम्पूर्ण-सरकार और सम्पूर्ण-समाज दृष्टिकोण अपनाने तथा एक केंद्रीकृत डेटा पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया।

महानिदेशक (ICAR) ने दोहराया कि भारत का अनुभव विज्ञान-आधारित और नीति-संरेखित समाधानों की एक मजबूत वैश्विक मिसाल प्रस्तुत करता है, जो जलवायु दबावों के बीच कृषि-खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा में सहायक है। इस संदर्भ में ठकउफ्अ को जलवायु-सहिष्णु कृषि के लिए एक संभावित वैश्विक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने एटलस ऑफ क्लाइमेट अडैप्टेशन इन इंडियन एग्रीकल्चर (ACASA-I»»fdi) का औपचारिक शुभारंभ भी किया। यह ICAR के नेतृत्व वाले NARES द्वारा BISA-CIMMYT के सहयोग से विकसित एक वेब-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो स्थान-विशिष्ट और डेटा-आधारित अनुकूलन योजना बनाने में सहायता करेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. ए. के. नायक, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), ICAR; डॉ. राजबीर सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), कउअफ्; डॉ. बी. वेंकटेश्वरलु, अध्यक्ष, NICRA विशेषज्ञ समिति; डॉ. वी. के. सिंह, निदेशक, ICAR-केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद; तथा डॉ. पी. के. अग्रवाल*, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रमुख, BISA-CIMMYT शामिल थे।

अपने संबोधन में डॉ. राजबीर सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला बड़े पैमाने पर विज्ञान को आगे बढ़ाने और जलवायु कार्रवाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने भविष्य की जलवायु कार्रवाई और निवेश के लिए मजबूत और विश्वसनीय कार्बन क्रेडिट

आईआईसीडीईएम का समापन 'दिल्ली घोषणापत्र 2026' को औपचारिक रूप से अपनाने के साथ हुआ

(जीएनएस)।

1. भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा आयोजित लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम)-2026 आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ह्यदिल्ली घोषणापत्र 2026ह्न को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।

2. मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार के साथ निर्वाचन आयुक्त (ईसी) डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, 42 निर्वाचन प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के प्रमुख, 70 से अधिक राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञ, निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) भी आईआईसीडीईएम-2026 के समापन सत्र में उपस्थित रहे।

3. समापन सत्र के दौरान, मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने ह्यदिल्ली घोषणापत्र 2026ह्न का पाठ प्रस्तुत किया, जिसे सभी निर्वाचन आयोगों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया। निर्वाचन आयोगों ने घोषणा के पांच प्रमुख स्तंभों मतदाता सूचियों की शुद्धता, चुनाव प्रक्रिया संचालन, अनुसंधान एवं प्रकाशन, प्रौद्योगिकी के उपयोग और प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण पर सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करने का भी संकल्प लिया और 3, 4 तथा 5 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। (पूर्ण पाठ संलग्न है)।

4. निर्वाचन प्रबंधन निकायों ने विश्व के लोकतंत्रों पर एक सह-संकलित वैश्विक विश्वकोश के अंतर्गत, अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के नेतृत्व में सात विषयों और आईआईआईडीईएम के नेतृत्व में 36 विषयों पर व्यापक रिपोर्टें प्रकाशित करने का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त, ईसीआईनेट के समान डिजिटल प्लेटफार्मों के सह-विकास व चुनाव प्रक्रिया संचालन और मतदाता सूची तैयार करने में व्यावसायिकता को सुदृढ़ करने के लिए आईआईआईडीईएम के माध्यम से पारदर्शी प्रथाओं के प्रशिक्षण एवं आपसी आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

5. अपने मुख्य भाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि इस सम्मेलन ने आदर्श अंतर्राष्ट्रीय चुनावी मानकों पर विमर्श को नई गति प्रदान की है। उन्होंने सम्मेलन के दौरान आयोजित 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकों का उल्लेख किया और कहा कि इन बैठकों से आपसी सहयोग के विस्तार के साथ-साथ सामूहिक प्राथमिकताओं एवं दृष्टिकोणों की बेहतर समझ विकसित हुई है।

6. निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने समापन सत्र में अपने संबोधन में कहा कि खुलापन, आपसी सम्मान और एक-दूसरे से सीखने की तत्परता वैश्विक चुनावी समुदाय की परिपक्वता एवं व्यावसायिकता को प्रतिबिंबित करती है।

7. निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि ईसीआईनेट का शुभारंभ भारतीय तकनीकी प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल ने निर्वाचन आयोग द्वारा प्रौद्योगिकी को दिए गए महत्व को उजागर किया है, जिससे इसके सुनियोजित एवं विवेकपूर्ण अपनाने को बल मिला है। यह सुनिश्चित हुआ है कि प्रौद्योगिकी विश्वास को प्रतिस्थापित करने के बजाय उसको बढ़ावा देती है।

8. यह अपनी तरह का पहला और सबसे बड़ा तीन दिवसीय सम्मेलन था, जो भव्य स्वागत समारोह एवं उद्घाटन सत्र के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें 42 विदेशी दूतावासों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों तथा 27 देशों के मिशन प्रमुखों सहित लगभग 1,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

9. निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों की पूर्ण बैठक में प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख तथा राजदूतों/उच्चायुक्तों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर उच्च स्तरीय विचारों के आदान-प्रदान हेतु एक मंच साझा किया।

10. आईआईसीडीईएम के दूसरे दिन, निर्वाचन आयोग की सभी चुनाव संबंधी सूचनाओं एवं सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराने वाले एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ह्यईसीआईनेटह्न का शुभारंभ किया गया।

11. आईआईसीडीईएम के दौरान, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के नेतृत्व में गठित 36 विषयगत समूहों ने अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के साथ भाग लिया।

शारदा नदी पुल निरीक्षणः जितिन प्रसाद ने गुणवत्ता-समयसीमा पर सख्त निर्देश दिए, मृतकों के परिजनों को चेक वितरित

(जीएनएस)।

पीलीभीत,केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद ने गुरुवार को पूरनपुर तहसील क्षेत्र में निमार्णाधीन धनाराघाट शारदा नदी पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

वहीं निर्धारित समय सीमा के भीतर पुल को पूर्ण किया जाए। यह पुल हजारा क्षेत्र के लोगों के लिए जीवनरेखा माना जा रहा है और इसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पुल क्षेत्रीय विधायक बाबूराम पासवान के साथ उनके संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि शारदा नदी पर पक्का पुल न होने के कारण हजारा क्षेत्र के हजारों ग्रामीण दशकों से बरसात और बाढ़ के समय जिला मुख्यालय से कट जाते थे। पुल के निर्माण से तहसील और जिला मुख्यालय का आवागमन सुगम होगा, जिससे व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक ग्रामीणों की पहुंच आसान होगी।

दोपहर करीब तीन बजे धनाराघाट पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों से पुल के नक्शे और कार्य प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास में किसी भी तरह की देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर विधायक बाबूराम पासवान ने केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा कि यह पुल क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

पुल निरीक्षण के बाद केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने उन पीड़ित परिवारों से भी मुलाकात की, जिन्होंने 18 जनवरी (मौनी अमावस्या) को शारदा नदी में स्नान के दौरान अपने परिजनों को खो दिया था। इस हादसे में दो किशोरों और एक युवक की डूबने से मौत हो गई थी।

केंद्रीय मंत्री ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा राशि के चेक सौंपते हुए उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि यह क्षति अपूरणीय है और सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नदी घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराने का आश्वासन भी दिया।

नहर की साफ - सफाई ना किये जाने और नहर के खुदाई सफाई के पैसे हजम कर गये बढ़े अधिकारी- कर्मचारीगण किसानो कि हालत बेहाल

(जीएनएस)।

लखनऊ/प्रयागराज

करछना-तहसील मे डीहा से लेके बसही- नटका के किसानो कि हालत बहुत ही वेहाल हो गया है, जितनी बार पानी खेत मे भरते है किसान

उसके कई बार नहर का पानी छोड़ा गया जिसे किसानो के फसल को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ ।

क्यू कि नहर का जो निकास है बसही - नटका से होते हुए पनासा लकटहा से निकल के टोस नदी मे गिरता

लेकिन दबगो के द्वारा सारा नहर को पाट के खेत बना लिये जितनी बार सफाई का पैसा आता है अधिकारी मिलके खा लेते है यही विकास हो रहा है सरकार के छवि को धोमिल कर रहे है इसमे किसान का बहुत बड़ा नुकसान पहुंच रहा है फसल खराब हो रहा है पुरे खेतो मे पानी भरा हुआ है किसानो का दर्द कोई नही समझ ने वाला है

इन अधिकारी व कर्मचारी लोगों कि जांच कराई जाये

करछना तहसील मे भरस्ट सभी विभाग के अधिकारीयों को तहसील कार्यालय करछना से निलंबित किया जाये और इनकी जांच कराई जाये ।

तहसील के सभी अधिकारी कर्मचारी इस बात को ध्यान देते हुए किसानो को फसल जो नुक्सान हुआ है उसका मुवाजा दिया जाये और नहर संबधित अधिकारी गण ध्यानपूर्वक देखें हुये समस्याओं का समाधान कराये ।

नहर अधिकारी और कर्मचारी कभी नहर कि तरफ देखने नही जाते नहर कि सफाई तक नही करा रहे है आगे नहर बाधित है किसानो के फसलो के नुकसान पहुंच रहा है

इसकी जिम्मेदारी पुरी तरह नहर और तहसील करछना के बढ़े जिम्मेदार अधिकारीयो और कर्मचारीयो के लापरवाही का खामियाजा किसानो को भुक्तना पड़ रहा है

उत्तर प्रदेश सरकार के मुखियाँ मुख्य मंत्री जी से भस्ट लापरवाह- अधिकारियो व कर्मचारीयों पर कार्यवाही कि माग डीहा से लेके नटका , बसही, बबुरा , लकटहा, पनासा के समस्त क्षेत्र के किसानो द्वारा किया गया है

मिशन शक्ति-5: पीलीभीत में महिला सुरक्षा टीम ने छात्राओं को सशक्त बनाया, साइबर अपराध और बाल विवाह पर जागरूक किया

(जीएनएस)।

पीलीभीत, पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के सख्त निदेर्शों के अनुपालन में मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु थाना हजारा ,थाना बरखेड़ा,थाना माधोटांडा,महिला थाना ,थाना बिलसंड़ा,थानों पर तैनात महिला सुरक्षा केंद्र की टीमों ने सक्रिय भूमिका निभाई।थाना क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं को उनके मौलिक अधिकारों से परिचित कराया गया। टीम ने महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों जैसे दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम आदि की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, विभिन्न हेल्पलाइन नंबर्स जैसे 1090 (महिला हेल्पलाइन), 181 (महिला

आपातकालीन हेल्पलाइन) और 112 (इमरजेंसी नंबर) साझा किए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके।विशेष रूप से साइबर अपराधों पर फोकस करते हुए टीम ने छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पर उत्पीड़न, फेक न्यूज और साइबर स्टॉकिंग जैसे खतरे बताए। इसके अलावा, बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसके खिलाफ सख्त कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला गया, जिससे बालिकाओं में आत्मरक्षा की भावना जागृत हुई।इस अभियान से क्षेत्र की छात्राओं में उत्साह देखा गया, और उन्होंने विभिन्न सवाल पूछकर अपनी जागरूकता बढ़ाई। मिशन शक्ति-5 के तहत जारी यह प्रयास महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

पीलीभीत नकली कफ सिरप स्कैंडलः मेडिकल स्टोरों से हजारों शीशियां बिकीं, जांच में बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर,क्षेत्र में पुलिस ने एक नकली कफ सिरप फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह पिछले दो वर्षों से ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर जहरीला और नशीला सिरप तैयार कर मेडिकल स्टोरों के माध्यम से युवाओं तक पहुंचा रहा था। औषधि प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी।

पुलिस गिरफ्त में आए मुख्य आरोपी, लाह गांव निवासी झोलाछाप सुरेश ने पूछताछ में बताया कि लगभग दो साल पहले कोरेक्स कफ सिरप पर पाबंदी लगने के बाद उसने इसे कमाई का जरिया बनाने की सोची। उसने यूट्यूब के माध्यम से नकली सिरप बनाने की विधि सीखी और अपने घर के भीतर ही पूरी फैक्ट्री स्थापित कर ली।

इस गोरखधंधे का नेटवर्क काफी व्यवस्थित था। आरोपी बरेली से खाली शीशियां मंगवाता था और पूरनपुर की एक प्रिंटिंग प्रेस से नामी ब्रांडों के रैपर छपवाता था। लेमिनेशन के जरिए इन शीशियों को ऐसा फिनिशिंग टच दिया जाता था कि असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाए।

पुलिस जांच के अनुसार, अब तक लगभग 8,000 शीशियां बाजार में खपाई जा चुकी हैं। हैरानी की बात यह है कि दो साल तक चले इस बड़े खेल की भनक औषधि प्रशासन को नहीं लगी। चर्चा है कि पुलिस द्वारा सूचना दिए जाने के बावजूद औषधि निरीक्षक ने मामले को हल्का बताते हुए 'सब कुछ ठीक' होने का दावा किया था।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग के निरीक्षण से पहले ही संदिग्ध मेडिकल स्टोरों के शटर गिर जाना विभाग की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

एएसपी विक्रम दहिया ने बताया कि पूरनपुर और शेरपुर क्षेत्र के तीन प्रमुख मेडिकल स्टोरों को चिह्नित किया गया है। साथ ही, रैपर छापने वाली प्रिंटिंग प्रेस को भी नोटिस जारी किया गया है।

पुलिस ने मौके से 375 तैयार शीशियां, भारी मात्रा में खाली बोतलें और ढक्कन बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

पीलीभीत में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहः डग्गामार वाहनों पर सख्ती, 104 चालान काटे गए, 1.085 लाख जुमार्ना वसूला

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 23 जनवरी 2026। श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक महोदय पीलीभीत के निर्देशन में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस ने डग्गामार वाहनों, अवैध रूप से संचालित वाहनों, नियत से अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दो-पहिया व चार-पहिया वाहनों के खिलाफ व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। जनपदीय पुलिस व यातायात

पुलिस टीमों ने प्रमुख मार्गों, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सघन जांच की, साथ ही अतिक्रमण हटवाए गए।विभिन्न चौराहों पर वाहन चालकों व आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया और उनका कड़ाई से पालन करने की अपील की गई। इस अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 104 वाहन चालकों के चालान काटे गए, जिन पर कुल 1,08,500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। इसके अलावा 28 डग्गामार वाहनों पर कड़ी विधिक कार्यवाही की गई।यह अभियान सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यातायात पुलिस ने आगे भी ऐसे अभियानों को जारी रखने का संकल्प लिया है ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। जनता से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें।

पीलीभीत में गूंजे 'जय हिंद' नारेः सपा ने मनाई नेताजी की जयंती, नेताओं ने किया स्मरण

(जीएनएस)।

पीलीभीत,समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और 'आजाद हिंद फौज' के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए क्रांतिकारी मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा 'कट्टर' ने नेताजी के अदम्य साहस को याद किया।

उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे

प्रेरणादायी व्यक्तित्व थे। नेताजी ने देशसेवा के लिए आईसीएस (भारतीय सिविल सेवा) जैसी प्रतिष्ठित नौकरी का त्याग कर दिया था। उनका नारा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' आज भी हर भारतीय में जोश भर देता है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद सपा युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने नेताजी के सैन्य नेतृत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नेताजी का विश्वास था कि आजादी केवल याचना से नहीं, बल्कि संगठित सशस्त्र संघर्ष से ही संभव है। उन्होंने आजाद हिंद फौज (क्टअ) का गठन कर ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी।

राजकुमार राजू ने आगे कहा कि आजाद हिंद सरकार की स्थापना और 'जय हिंद' का नारा देने वाले नेताजी का जीवन अनुशासन और त्याग की अनूठी मिसाल है। यह आज के युवाओं को देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा सिखाता है।

कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष हाजी अकबर अहमद अंसारी ने किया। जयंती समारोह में मुख्य रूप से सपा युवजन सभा के जिलाध्यक्ष हरगोविंद गंगवार, बरखेड़ा विधानसभा अध्यक्ष धनपति वर्मा एडवोकेट, सदाकत अली और राजीव वर्मा उपस्थित रहे। इनके अलावा सतीश कुमार, अर्जुन भारती, सुरेश चंद्र, भुवनेश कुमार, महेश गंगवार, तोताराम वर्मा और शांतिस्वरूप सहित भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नेताजी के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

न्यूरिया पुलिस का कमालः खेत से चोरी का इंजन बरामद, दो चोर गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत। थाना न्यूरिया पुलिस ने चोरी की एक घटना का सफल अनावरण कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने खेत से चोरी हुए पानी के इंजन को भी बरामद कर लिया।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 23 जनवरी 2026 को मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की। मुकदमा संख्या 19/2026 धारा 303(2) बीएनएस के अभियुक्त अरविंद पुत्र रामचंद्र और संजय पुत्र जीवनलाल,

दोनों ग्राम पीरताल थाना न्यूरिया जनपद पीलीभीत निवासी, को ग्राम मुढ़िया रतनपुरी कच्चे रास्ते से दबोच लिया गया।अभियुक्तों की निशानदेही पर उनके कब्जे से चोरी का इंजन बरामद हुआ। विवेचना में मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस जोड़ी गई। दोनों अभियुक्तों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।गिरफ्तार अभियुक्तः अरविंद पुत्र रामचंद्र, ग्राम पीरताल, थाना न्यूरिया, पीलीभीत।संजय पुत्र जीवनलाल, ग्राम पीरताल, थाना न्यूरिया, पीलीभीत।बरामद वस्तुः चोरी का पानी का इंजन।गिरफ्तारी टीमः उ.नि. संजीव कुमारहे.का. राजीव कुमारका. अजय कुमारका. रघुवीर

दो दिन पहले दर्ज की गई गुमशुदगी के मामले में हुसैनगंज पुलिस को मिली सफलता

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ क्षेत्र में उम्मीद की डोर थामे बैठे परिजनों के लिए आज राहत भरी खबर सामने आई डेढ़ महीने से गुमशुदा व्यक्ति को छितवापुर चौकी इंचार्ज ने महज दो दिनों के भीतर सकुशल ढूंढ निकाला जिससे परिवार में खुशियों का माहौल है थाना प्रभारी हुसैनगंज शिवमंगल सिंह के मार्गदर्शन में छितवापुर चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक गौरव सिंह, उपनिरीक्षक शिवम वर्मा और कांस्टेबल मनीष तिवारी की मेहनत रंग लाई परिजनों ने भावुक होकर पुलिस टीम का धन्यवाद किया और कहा कि जब उम्मीद टूट रही थी तब पुलिस हमारी ताकत बनकर सामने आई पुलिस ने गुमशुदा व्यक्ति को सकुशल तलाश कर परिजनों की चिंता दूर की।

करछना तहसील क्षेत्र मे खनन माफिया व क्षेत्री चौकी व थाने के पुलिस कर्मचारीयों के मिली-भगत से मोटी रकम के लोभ मे खनन माफियाओं का मनोबल बढ़ा

(जीएनएस)।

लखनऊ/प्रयागराज

करछना तहसील क्षेत्र मे खनन माफिया व क्षेत्री चौकी व थाने के पुलिस कर्मचारीयों के मिली-भगत से मोटी रकम के लोभ मे खनन माफियाओं का मनोबल इनके द्वारा बढ़ गया है ,

डी एम प्रयागराज व एस डी एम करछना को भी भनक नहीं लगने दे रहे है ।

करछना तहसील क्षेत्र मे लकटहा घाट से लेके दुमदुमा घाट तक पीपा पुल बना हुआ है जो क्षेत्र से निकल के पीपा पुल को पार नही कर सकते क्युकी जो रास्ता है एकदम छती ग्रस्त पुरी तरह से हो गया। कभी आज तक

पी .डब्लू .डी के अधिकारी ना कर्मचारी कभी देखने तक नही जाते पुल मे लगे लकड़ी के गाटर नट पुल पे दोनो तरफ से तार से घेरा गया है कभी भी खतरा हो सकता है तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन कि होनी चाहिए ये सब कितना बढ़ा लापरवाही किया जा रहा है जनता के साथ । जो इतनी लापरवाही हो रही है जनता के साथ। जो बचा भी है थोड़ा रास्ता तो वाहा के क्षेत्री खनन माफियाओं द्वारा रास्ते को एकदम छतिग्रसत कर दिया

मिट्टी का रास्ता है उसपे भी कुछ नही डाला गया है लोगो का निकलना दुसवार हुआ है किसी को इमरजेंसी मे हना हुआ तो सौ किलो मीटर घूम के प्रयागराज होके जाना पढ़ेगा गया है ।

इसमे क्षेत्री चौकी व थाने वाले कि मिली-भगत से मोटे रकम के लालच मे क्षेत्र मे खनन माफियाओं का सरगना तैयार किया गया है

इन खनन माफियाओं के वजह से कितने घटना घटित हो जाते है

जब दरियाओ बढ़ता है तो जिस क्षेत्र से खनन किया जाता है वाहा पे पानी का भराव हो जाने से जानवर, बच्चे, जवान बूढ़े किसी ना किसी का दुर्घटना हो जाता है ।

जिसके जिम्मेदार चौकी थाना व खनन माफियाओं के वज से घटना घटता है

इसमे प्रशासन से इन खनन माफियाओं व क्षेत्री चौकी- थाने के खनन माफिया के सहयोगी पुलिस के कर्मचारीगण के ऊपर कार्यवाही होनी चाहिए जिससे क्षेत्र के खनन माफियाओ व सहयोगियों का मनोबल पे अंकुश लगे यही उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री जी से क्षेत्र के लोगो द्वारा अनुरोध किय गया है कि इन खनन माफियाँ व पुलिस विभाग के लिप्त कर्मचारीयों के ऊपर कार्यवाही किया जाये ।